MANAGE BULLETIN
https://www.manage.gov.in/
जनवरी 2025

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)
(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)

उद्यान उत्सव 2025

राष्ट्रपति निलयम, बोलारम, सिकंदराबाद में फूलों, पौधों और हरी शांति के जादू का अनुभव करें।

राष्ट्रपति निलयम, बोलारम, सिकंदराबाद ने दिनांक 02 से 13 जनवरी, 2025 तक राष्ट्रपति निलयम में 12 दिवसीय फूल और बागवानी महोत्सव - 'उद्यान उत्सव: फूलों, पौधों और हरी शांति के जादू का अनुभव करें' की मेजबानी की।

यह कार्यक्रम कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज), हैदराबाद और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के सहयोग से प्रकृति का जश्न मनाने, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और लोगों की भागीदारी के माध्यम से सततता को प्रोत्साहित करने के लिए आयोजित किया गया।

इस महोत्सव ने आगंतुकों को कृषि और बागवानी में नवाचारों और तकनीकी प्रगति का पता लगाने के लिए एक मंच प्रदान किया। विषयगत स्टॉलों ने क्षेत्र में अत्याधुनिक विकास को प्रदर्शित किया, जबकि इंटरैक्टिव कार्यशालाओं ने प्रतिभागियों को विशेषज्ञों के साथ जुड़ने और सतत प्रथाओं के बारे में जानने में सक्षम बनाया।

डॉ. सागर हनुमान सिंह, महानिदेशक, मैनेज के रुप में अतिरिक्त प्रभार संभाले

डॉ. सागर हनुमान सिंह, आईपीओएस (1995 बैच), महानिदेशक, राष्ट्रीय पादप स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान (एनआईपीएचएम), हैदराबाद, महानिदेशक, मैनेज, हैदराबाद के रुप में अतिरिक्त प्रभार संभाले।

डॉ. सागर हनुमान सिंह के पास कीट विज्ञान में एम.एस.सी. और पी.एच.डी. की डिग्री है और उन्हें भारतीय डाक, भारतीय सेना और मानव संसाधन, नीति निर्माण और संस्थागत प्रबंधन सहित नेतृत्व की भूमिकाओं में व्यापक अनुभव है। सभी संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों ने उनका मैनेज में उत्सूकता के साथ स्वागत किया।

इस अंक में .....

• उद्यान उत्सव 2025 प्रकृति और नवाचार का उत्सव	1,3,&4
• डॉ. सागर हनुमान सिंह ने महानिदेशक मैनेज के रुप में अतिरिक्त प्रभार संभाले	2
• मैनेज ने 76वां गणतंत्र दिवस मनाया	5&6
• मैनेज ने 4 महीने के 'जय जवान किसान' कार्यक्रम के चौथे बैच का समापन किया	7
• वार्षिक प्रशिक्षण योजना कार्यशाला (एटीपीडब्ल्यू-2025) और ईईआई और समेति का राष्ट्रीय सम्मेलन	8&9
• कृषि उद्यमियों के लिए नई पीढ़ी की दक्षताओं पर आईटीईसी प्रशिक्षण कार्यक्रम	10
• तालमेल और सुधार के माध्यम से कृषि विपणन को आगे बढ़ाने पर कार्यशाला	11
• मूवसीडनर-सिक्किम के अंतर्गत कृषि सेवकों और एफपीओ की सेविकाओं के लिए क्षमता निर्माण	12
• सतत बागवानी के लिए कैनोपी प्रबंधन और बाग रिजुवनेशन पर प्रशिक्षण	13
• मैनेज ने नववर्ष 2025 का जश्न मनाया	14
• जलवायु-स्मार्ट प्रथाओं और नीति संरेखण के लिए कृषि विस्तार को मजबूत करना	14
• मैनेज शनिवार वेबिनार	15
• डॉ. के. साई महेश्वरी को उनकी सेवानिवृत्ति पर सम्मानित किया गया	16

उद्यान उत्सव 2025

राष्ट्रपति निलयम, बोलारम, सिकंदराबाद में फूलों, पौधों और हरी शांति के जादू को अनुभव करें।

उद्यान उत्सव 2025 का उद्घाटन प्रगतिशील किसान चिंतापल्ली सुरेश कुमार रेड्डी ने श्री सैमुअल प्रवीण कुमार, संयुक्त सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, भारत सरकार, श्री शिवेन्द्र चतुर्वेदी, निदेशक, राष्ट्रपति सचिवालय, दिल्ली; और डॉ. के. रजनी प्रिया, प्रबंधक, राष्ट्रपति निलयम, तेलंगाना के साथ किया।

12 दिवसीय उत्सव में सक्रीय पुष्प प्रदर्शनी, बागवानी स्टॉल, जीआई-टैग उत्पाद, पर्यावरण अनुकूल उत्पाद, पारंपरिक शिल्प, सांस्कृतिक प्रदर्शन और दक्षिण भारतीय व्यंजन शामिल थे।

इस उत्सव के दौरान मैनेज ने पर्यावरण जागरूकता और सततता को बढ़ावा देने के लिए ग्रीन वॉल प्लेज, सीड बॉल तैयार करने का प्रदर्शन, स्कूली बच्चों के लिए क्विज़ और कृषि में ड्रोन अनुप्रयोगों का प्रदर्शन सहित कई इंटरैक्टिव गतिविधियाँ आयोजित कीं। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय बागवानी मिशन और शहरी बागवानी, सब्जियों में उच्च उत्पादकता के लिए कृषि तकनीक और एकीकृत कीट और रोग प्रबंधन, फूलों की खेती में उन्नत तकनीक, कीट और रोग प्रबंधन, वर्टिकल बागवानी और हाइड्रोपोनिक्स और डिजिटल मार्केटिंग और फूलों की खेती/बागवानी किसानों को जोड़ने पर सत्र आयोजित किए गए ताकि किसान प्रतिभागियों को आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

इस उद्यान उत्सव में 1,00,000 से अधिक आगंतुक जिनमें स्कूल और कॉलेज के छात्र, जिज्ञासु नागरिक, किसान समूह, एफपीओ, स्वयं सहायता समूह, सहकारी समितियां और प्रतिष्ठित व्यक्ति शामिल थे, जैसे तेलंगाना के राज्यपाल श्री जिष्णु देव वर्मा, कडप्पा के सेवानिवृत्त डीएसपी श्री प्रभाकर राव, सांसद ईटेला राजेंद्र की पत्नी ईटेला जमुना, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडी एंड पीआर) के महानिदेशक डॉ. जी. नरेंद्र कुमार, आईएएस और कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त आयुक्त डॉ. प्रशांत आर्मोरीकर आये।

उद्यान उत्सव की झलकियां

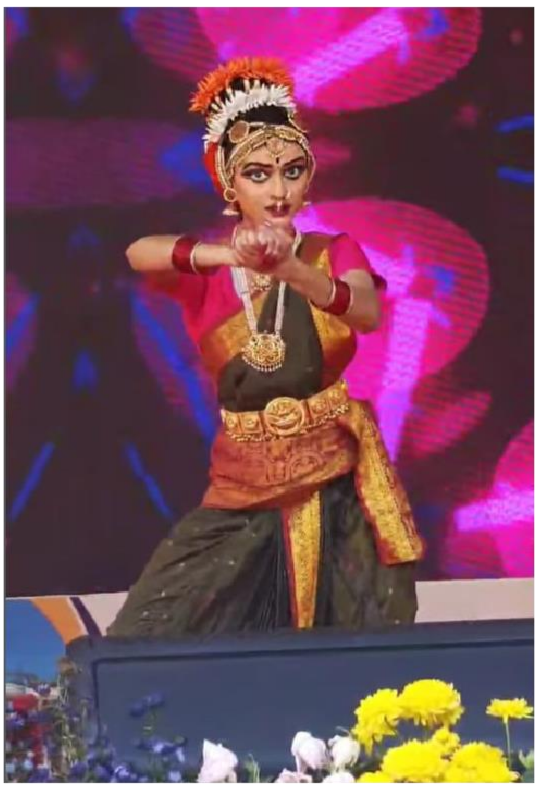

मैनेज ने 76वां गणतंत्र दिवस मनाया

दिनांक 26 जनवरी 2025 को मैनेज ने 76वां गणतंत्र दिवस उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया। इस विशेष अवसर पर डॉ. सागर हनुमान सिंह, आईपीओ, महानिदेशक, मैनेज ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और मैनेज परिवार को संबोधित किया।

अपने संदेश में, डॉ. सागर हनुमान सिंह, आईपीओ, महानिदेशक, मैनेज ने भारतीय संविधान को न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के लिए मार्गदर्शक ढांचे के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने उन दूरदर्शी लोगों के योगदान को स्वीकार किया जिन्होंने देश की अनूठी सांस्कृतिक और सामाजिक

आवश्यकताओं को संबोधित करते हुए भारतीय संविधान में वैश्विक सिद्धांतों को शामिल किया। उन्होंने 75 वर्षों में भारत की उल्लेखनीय प्रगति पर विचार किया, जो खाद्य आयातक देश से कृषि निर्यात में वैश्विक नेता के रूप में परिवर्तित हुआ।

उन्होंने भारतीय लोकतंत्र की मजबूती, विविधता में एकता, संवैधानिक सिद्धांतों की रक्षा करते हुए जवाबदेही सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने सभी से अपने पूर्वजों के मूल्यों, लक्ष्यों, दृष्टिकोण को कायम रखते हुए उनके बलिदानों का सम्मान करने और एक मजबूत, समावेशी और एकजुट भारत के लिए काम करने का आग्रह किया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने देशभक्ति और महान नेताओं के बलिदान को रेखांकित करते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। महानिदेशक, मैनेज ने विद्यार्थियों के लिए आयोजित खेलकूद प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण-पत्र और पुरस्कार वितरित किए।

इस अवसर पर मैनेज के संकाय, कर्मचारी, सलाहकार और छात्र, ओडिशा के लिए कैनोपी प्रबंधन, कायाकल्प और पुराने बागों में पुनःरोपण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के कृषि अधिकारी और किसान प्रतिभागी शामिल हुए। रेड क्रॉस सोसाइटी के साथ मिलकर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

गणतंत्र दिवस की झलक

मैनेज ने 4 महीने के 'जय जवान किसान' कार्यक्रम के चौथे बैच का समापन किया

मैनेज ने दिनांक 10 जनवरी, 2025 को 4 महीने के 'जय जवान किसान' प्रशिक्षण कार्यक्रम के चौथे बैच का समापन किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले जल सेना, स्थल सेना और वायु सेना के 50 जल्द ही सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों ने भाग लिया, जिसमें रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के पुनर्वास महानिदेशालय का सहयोग भी शामिल था। जय जवान किसान पहल का उद्देश्य भूतपूर्व सैनिकों को कृषि उद्यमी बनने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करना और कृषि क्षेत्र की उन्नति में योगदान देना है।

अपने समापन भाषण में, डॉ. सागर हनुमान सिंह, आईपीओएस, महानिदेशक, मैनेज और एनआईपीएचएम ने मैनेज और रक्षा मंत्रालय द्वारा की गई पहल की सराहना की।

उन्होंने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान और जानकारी को गांव स्तर पर किसानों तक पहुंचाएं। उन्होंने उन्हें सरकारी योजनाओं का प्रभावी ढंग से उपयोग करने और कृषि उद्यमिता या खेती में एक नई शुरुआत करने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे आय के अतिरिक्त स्रोत बन सकें। उन्होंने उनके भविष्य के प्रयासों के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।

डॉ. प्रशांत आर्मोरिकर, अतिरिक्त आयुक्त (विस्तार), कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने कहा कि प्रशिक्षण पूरा करने के बाद, प्रतिभागियों को अतिरिक्त ज्ञान प्राप्त करने के लिए केवीके और आईसीएआर जैसे कृषि संस्थानों से जुड़ना चाहिए।

उन्होंने आर्य (कृषि में ग्रामीण युवाओं को आकर्षित करना) जैसी आईसीएआर योजनाओं का भी उल्लेख किया और स्वयं सहायता समूह या एफपीओ स्थापित करने के लिए समूह बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने जवानों को अपनी यात्रा के अगले चरण के हिस्से के रूप में कृषि-पर्यटन सहित स्टार्टअप में अवसरों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस समापन समारोह के अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल (एलपीसी) इकबाल सिंह ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान और कौशल का उपयोग जमीनी स्तर पर किसानों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने उनसे अपने ज्ञान को प्रभावी ढंग से लागू करने और कृषि व्यवसाय, खेती के उपक्रमों आदि में एक नया चरण शुरू करने के अवसरों का पता लगाने का आग्रह किया।

इससे पहले, मैनेज ने भूतपूर्व सैनिकों के लिए जय जवान किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीन बैच आयोजित किए थे, जिनमें से दो को रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार और एक को नाबार्ड, तेलंगाना द्वारा प्रायोजित किया गया था। डॉ. एन. बालासुब्रमणि, निदेशक (एसए&सीसीए), मैनेज ने इस कार्यक्रम का निदेशन किया और डॉ. अरविंदा, मैनेज फेलो ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

वार्षिक प्रशिक्षण योजना कार्यशाला (एटीपीडब्लू-2025) और ईईआई और समेति का राष्ट्रीय सम्मेलन

कृषि विस्तार पेशेवरों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं का आकलन करने और वर्ष 2025 से 26 के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करने के लिए मैनेज ने दिनांक 09-10 जनवरी, 2025 को 2 दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण योजना कार्यशाला - 2025 (एटीपीडब्लू-2025) और ईईआई और समेति का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। इस कार्यशाला में कृषि विस्तार पेशेवरों, भारत सरकार, ईईआई, समेति, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों और मैनेज संकाय का प्रतिनिधित्व करने वाले कुल 50 पेशेवरों ने भाग लिया।

अपने उद्घाटन भाषण में, मैनेज और एनआईपीएचएम के महानिदेशक, आईपीओएस डॉ. सागर हनुमान सिंह ने मैनेज, ईईआई और समेति द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रमों को डिजाइन करने की आवश्यकता पर बल दिया, जो क्षेत्र स्तर पर किसानों की आवश्यकताओं के अनुरूप हों।

उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रमों के मूल्यांकन के लिए एक संपूर्ण तंत्र की आवश्यकता पर भी बल दिया और आशा व्यक्त की कि कार्यशाला में नवीनतम प्रौद्योगिकियों, डिजिटल अनुप्रयोगों और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा तथा व्यावहारिक और उपयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करने के लिए रणनीति बनाई जाएगी।

डॉ. सरवणन राज, निदेशक (कृषि विस्तार), मैनेज ने कृषि क्षेत्र में आए बदलावों और नए हितधारकों पर प्रकाश डाला तथा बेहतर प्रभाव के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता में सुधार के लिए मिश्रित शिक्षण पद्धतियों जैसे नवीन, विविध दृष्टिकोणों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

डॉ. प्रशांत आर्मोरिकर, अतिरिक्त आयुक्त (विस्तार), कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने भारत सरकार के चल रहे मिशनों और योजनाओं के साथ प्रशिक्षण को संरेखित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने सूचना के प्रसार में चैटजीपीटी, कृषि पोर्टल और ऑनलाइन एप्लिकेशन जैसे एआई उपकरणों की भूमिका पर प्रकाश डाला और इन उभरती प्रौद्योगिकियों के आसपास प्रभावी प्रशिक्षण मॉड्यूल डिजाइन करने में अनुसंधान संस्थानों के महत्व पर बल दिया।

दो दिवसीय कार्यशाला में कृषि विस्तार में भावी प्रवृत्तियों की दूरदर्शिता, क्षमता आवश्यकताओं पर ध्यान देने, नवीन प्रशिक्षण पद्धतियों और सहयोगात्मक दृष्टिकोणों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

वार्षिक प्रशिक्षण योजना कार्यशाला (एटीपीडब्लू-2025)
और ईईआई और समेति का राष्ट्रीय सम्मेलन

इन चर्चाओं में उभरती जरूरतों के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रमों को संरेखित करना, डिजिटल उपकरणों का लाभ उठाना, संस्थागत संबंधों को मजबूत करना, ज्ञान साझा करने के लिए नेटवर्किंग को बढ़ाना, दस्तावेज़ीकरण में सुधार करना और परिवर्तनकारी प्रशिक्षण के लिए आईजीओटी प्लेटफॉर्म और एआई के माध्यम से कर्मयोगी मिशन - ट्रांसफॉर्मिंग फ्यूचर ट्रेनिंग की खोज करना शामिल था।

अपने समापन भाषण में डॉ. सागर हनुमान सिंह, आईपीओएस, महानिदेशक, मैनेज ने कार्यात्मक कौशल प्राप्त करने के लिए आईजीओटी प्लेटफॉर्म का उपयोग करने; मैनेज, ईईआई, समेति, एसएयू और अन्य भागीदारों के बीच नेटवर्किंग और सहयोग को बढ़ावा देने; और प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी और उत्पादक बनाने के लिए ऐप्स और एआई टूल जैसी डिजिटल प्रगति का उपयोग करने का सुझाव दिया।

भारत सरकार के डॉ. प्रशांत आर्मोरीकर, अतिरिक्त आयुक्त (विस्तार), कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों की निगरानी और मूल्यांकन की आवश्यकता पर बल दिया और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों में भारत सरकार की प्राथमिकताओं को शामिल करने का सुझाव दिया।

इसके अतिरिक्त, इन प्रतिभागियों ने भविष्य के लिए विस्तार प्रशिक्षण को बदलने के लिए योग्यता विकास, बुनियादी ढांचे में वृद्धि और प्रभाव माप के लिए रणनीतियों की खोज की।

डॉ. श्रीनिवासाचार्युलु अत्तलूरी, उप निदेशक (ज्ञान प्रबंधन), मैनेज ने मैनेज फेलो डॉ. निधी शर्मा के साथ कार्यक्रम का समन्वय किया।

Competency Framework by Participants Groups – ATPW 2025

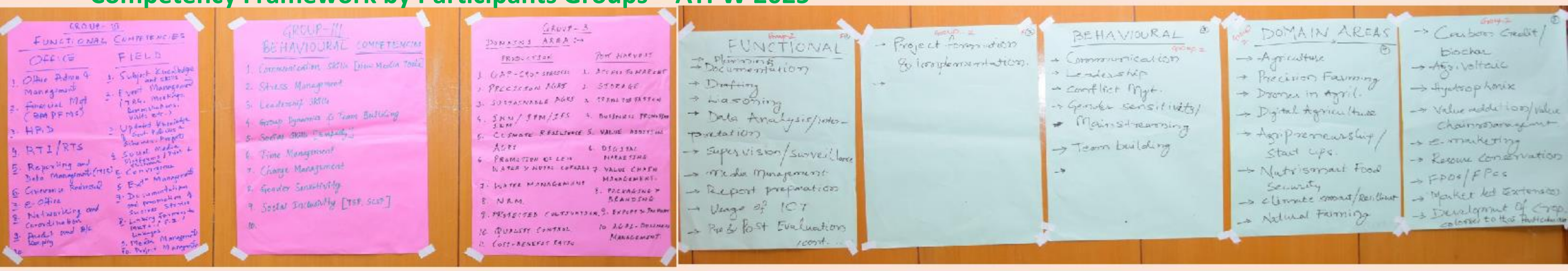

भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी)

कृषि उद्यमियों के लिए नई पीढ़ी की दक्षताओं पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

मैनेज ने दिनांक 15 से 28 जनवरी, 2025 को कृषि उद्यमियों के लिए नई पीढ़ी की दक्षताओं पर दो सप्ताह का भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया, जिसे विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समर्थन दिया गया। इस कार्यक्रम में मॉरीशस, घाना, इथियोपिया, मोरक्को, ताजिकिस्तान, थाईलैंड, नाइजीरिया, उज्बेकिस्तान, मलावी, जिम्बाब्वे, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, श्रीलंका, भूटान, बांग्लादेश, इरिट्रिया जैसे 14 देशों से कुल 21 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

अपने उद्घाटन भाषण में, डॉ. सागर हनुमान सिंह, आईपीओएस, महानिदेशक, मैनेज ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह कार्यक्रम कृषि उद्यमिता से संबंधित ज्ञान और कौशल को बढ़ाने में अत्यधिक लाभकारी होगा। उन्होंने विकास के प्रमुख चालक के रूप में कृषि उद्यमिता के महत्व पर जोर दिया। इसके अलावा, उन्होंने व्यवसाय ऋण तक पहुँच, संसाधनों की उपलब्धता, नए स्टार्टअप के सामने आने वाली चुनौतियाँ, प्रौद्योगिकी तक पहुँच, प्रासंगिक नीतियाँ और नियम, तथा कृषि व्यवसाय क्षेत्र में व्यापार और नेटवर्किंग के अवसरों सहित विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जब आप वापस जाएँ, तो अपने देश में अधिक लोगों को प्रशिक्षित देने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए यहाँ प्राप्त ज्ञान का उपयोग करें।

डॉ. सरवनन राज, निदेशक (कृषि विस्तार), मैनेज और सीईओ मैनेज-सीआईए ने इस कार्यक्रम का अवलोकन प्रदान किया, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिला प्रतिनिधियों की विशेष भागीदारी है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कार्यक्रम प्रतिभागियों को कृषि उद्यमिता के लिए आवश्यक दक्षताओं से लैस करेगा, इनक्यूबेशन केंद्रों का दौरा कराएगा, और मूल्यवान अनुभव प्राप्त करने और नए कौशल अपनाने के अवसर प्रदान करेगा।

इस प्रशिक्षण का उद्देश्य भारतीय कृषि व्यवसाय के रुझानों, स्टार्टअप, नेतृत्व रणनीतियों और मूल्य श्रृंखला नवाचारों के माध्यम से कृषि उद्यमिता को बढ़ाना था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वित्तीय और जोखिम प्रबंधन, सतत प्रथाओं और डिजिटल खेती में दक्षता विकसित करना था। प्रमुख सत्रों में नेतृत्व विकास, लिंग-विशिष्ट उद्यमिता और मूल्य श्रृंखलाओं में नवाचार शामिल थे।

इन प्रतिभागियों ने अपने अनुभव को और समृद्ध करने के लिए निम्समे, रूरल टेक पार्क (एनआईआरडीपीआर), टी-हब आईसीआरआईएसएटी, और मैनेज के इनक्यूबेशन सेंटर, अर्बन किसान अनुसंधान एवं विकास, सीओई जीडिमेटला और एलआर नेचुरल्स एपरी जैसे संस्थानों का दौरा किया। इन प्रतिभागियों ने काम पर वापस लौटने की योजना तैयार किया।

डॉ. सरवनन राज, निदेशक (कृषि विस्तार), मैनेज एवं सीईओ, मैनेज सीआईए, ने इस कार्यक्रम के निदेशक के रूप में कार्य किया, जिसका समन्वय डॉ. राहल्या एस, मैनेज फेलो ने किया।

तालमेल और सुधार के माध्यम से कृषि विपणन को आगे बढ़ाने पर कार्यशाला

मैनेज ने दिनांक 16 से 17 जनवरी, 2025 को भारत में कृषि विपणन के भविष्य को गढ़ना: कृषि विपणन में सुधारों को सुविधाजनक बनाने के लिए विपणन और उत्पादन विभागों के बीच तालमेल विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में देश भर से निदेशकों, सहायक निदेशकों, राज्य कृषि विभागों के कृषि अधिकारियों और कृषि-विपणन में निजी क्षेत्र के प्रतिनिधियों सहित कुल 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

अपने उद्घाटन भाषण में, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय (यूएएस), बैंगलोर के पूर्व कुलपति और उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. पी. जी. चेंगप्पा ने बाजार-संचालित विस्तार और विपणन तत्वों के एकीकरण के माध्यम से बाजार क्रांति की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को कार्यशाला के दौरान प्राप्त समाधानों को अपने-अपने राज्यों में वापस लौटने पर लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया।

डॉ. सरवनन राज, निदेशक (कृषि विस्तार) मैनेज और मैनेज सीआईए के सीईओ ने मार्केटिंग के उभरते नए मॉडलों को लागू करने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के साथ प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने की आवश्यकता पर जोड़ दिया। उन्होंने जोड़ दिया कि विस्तार और विपणन विभागों को मार्केटिंग मॉडल में रचनात्मकता और नवाचारों को जोड़ने के लिए सहयोग करना चाहिए।

डॉ. के. सी. गुम्मागोलमठ, निदेशक (निगरानी और मूल्यांकन), मैनेज ने कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण दिया और वर्ष 1886 में लागू किए गए कृषि विपणन विनियमन अधिनियम और भारत में सहकारी आंदोलन पर प्रकाश डाला। इसके अतिरिक्त, उन्होंने अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रभावी रूप से प्रतिस्पर्धा करने के लिए किसानों को सशक्त बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

इस कार्यक्रम को तीन मुख्य विषयों के इर्द-गिर्द संरचित किया गया था: लाइन विभागों की भूमिकाओं के संदर्भ में विपणन सुधारों का आलोचनात्मक मूल्यांकन, छोटे और सीमांत किसानों के लिए पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं की खोज, और आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण में चुनौतियों और मुद्दों का समाधान।

पैनल चर्चा में भारत में कृषि विपणन सुधारों की दिशा पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें उत्पादन विभागों की भूमिका, कृषि उपज के विपणन को सुविधाजनक बनाने के लिए एकत्रीकरण का उपयोग, बाजार उन्मुखीकरण के लिए संस्थागत व्यवस्था और आपूर्ति श्रृंखला विपणन के घटकों पर प्रकाश डाला गया।

डॉ. के. सी. गुम्मागोलमठ, निदेशक (निगरानी और मूल्यांकन) मैनेज के डॉ. शैलेंद्र, निदेशक (एएम) ने डॉ. संगमेश, मैनेज फेलो के साथ इस कार्यशाला का समन्वय किया।

मूवसीडनर-सिक्किम के तहत कृषि सेवकों और एफपीओ की सेविकाओं के लिए क्षमता निर्माण

मैनेज ने दिनांक 07 से 21 जनवरी, 2025 को हैदराबाद के वालमतरी में मूवसीडनर-सिक्किम के अंतर्गत प्रवर्तित किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) के कृषि सेवकों और कृषि सेविकाओं के क्षमता निर्माण पर दो सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। सिक्किम कृषि विभाग से 19 सेविकाओं और 45 सेवकों सहित कुल 64 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण में भाग लिया।

अपने समापन भाषण में, डॉ. सरवनन राज, निदेशक (कृषि विस्तार) और मैनेज-सीआईए के सीईओ ने प्रतिभागियों को किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) पर प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने उन्हें एफपीओ के प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए किसानों की जरूरतों, सांस्कृतिक वातावरण और सामुदायिक दृष्टिकोण को समझने की सलाह दी।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारत में एफपीओ/एफपीसी/सहकारी समितियों के लिए कानूनी अनुपालन, एफपीओ का संस्थागत और संगठनात्मक विकास, मूल्य श्रृंखला विकास, लेखा और लेखा परीक्षा प्रक्रिया, जैविक उत्पादों के लिए निर्यात दस्तावेजीकरण, इनपुट-आउटपुट प्रबंधन, विपणन रणनीति, जैविक उत्पाद प्रमाणन, एफपीओ शासन, व्यवसाय विकास रणनीति और एफपीओ को जलवायु परिवर्तन पहलों से जोड़ने जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इन प्रतिभागियों ने अपने अनुभव को और समृद्ध करने के लिए आईआईएमआर, आरटीपी और पीजेटीएयू का भी दौरा किया।

डॉ. के.सी. गुम्मागोलमठ, निदेशक (एम एंड ई), मैनेज ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के निदेशक के रूप में कार्य किया तथा डॉ. कनक दुर्गा, सहायक निदेशक, मैनेज द्वारा इस कार्यक्रम का समन्वय किया गया।

ओडिशा के अधिकारियों और किसानों के लिए बागवानी में एकीकृत कीट प्रबंधन पर क्षमता निर्माण

मैनेज ने दिनांक 4 से 11 जनवरी, 2025 को हैदराबाद के वालमतारी में कृषि एवं किसाान कल्याण विभाग के ग्रुप ए, बी और सी अधिकारियों और ओडिशा के किसानों के लिए बागवानी में एकीकृत कीट प्रबंधन पर 8 दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में वालमतारी की महानिदेशक श्रीमती एम. अनिता उपस्थित थीं। डॉ. के.सी. गुम्मागोलमठ, निदेशक (एम एंड ई), मैनेज और डॉ. पी. कनक दुर्गा, सहायक निदेशक मैनेज ने प्रतिभागियों का उत्साह से स्वागत किया। पीजेटीएसएयू के प्रोफेसर डॉ. एस.ए. हुसैन मुख्य अतिथि थे और उन्होंने कार्यक्रम का अवलोकन प्रस्तुत किया।

इस कार्यक्रम में 26 अधिकारी (समूह बी और सी) और 26 किसान शामिल थे, जिसमें तीन दिन के कक्षा सत्र और पांच दिन के फील्ड एक्सपोजर दौरे शामिल थे। डॉ. एस. विग्नेश कुमार, मैनेज फेलो ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया और गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों को उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए आभार व्यक्त किया।

सतत बागवानी के लिए कैनोपी प्रबंधन और बाग रिजुवनेशन पर प्रशिक्षण

मैनेज ने दिनांक 22 से 29 जनवरी, 2025 को ओडिशा सरकार द्वारा प्रायोजित "कैनोपी प्रबंधन, कायाकल्प और पुराने बागों में पुनःरोपण" पर 8 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस प्रशिक्षण में ओडिशा के 25 कृषि अधिकारियों और 25 किसानों सहित कुल 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

अपने उद्घाटन भाषण में, डॉ. सागर हनुमान सिंह, आईपीओएस, महानिदेशक, मैनेज ने कैनोपी प्रबंधन, बागवानी फसलों में सूक्ष्म पर्यावरण प्रबंधन और उर्वरक उपयोग दक्षता को अनुकूलित करने पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों को सत्रों में सक्रिय रूप से भाग लेने और प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान को अपनी खेती की प्रथाओं में लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य बागवानी फसलों के लिए उन्नत कैनोपी प्रबंधन और एकीकृत बाग प्रबंधन में प्रतिभागियों के ज्ञान और कौशल को बढ़ाना था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आधुनिक तकनीकों और सर्वोत्तम प्रथाओं के माध्यम से बाग की उत्पादकता और स्थिरता को अनुकूलित करना था। मुख्य विषयों में अमरूद, ड्रैगन फ्रूट, नाशपाती, आड़ू, साइट्रस, अनार, चीकू और आम जैसी फसलों के लिए उन्नत कैनोपी प्रबंधन शामिल था।

इसके अतिरिक्त, इस कार्यक्रम में पोषक तत्व और जल प्रबंधन के साथ-साथ पुराने बागों के लिए प्रभावी कीट और रोग प्रबंधन रणनीतियों को भी शामिल किया गया। इन प्रतिभागियों ने अपने अनुभव को और समृद्ध करने के लिए फल अनुसंधान केंद्र, सांगा रेड्डी, अंगूर अनुसंधान केंद्र, राजेंद्रनगर और कपिल एग्रो फार्म का दौरा किया।

डॉ. एन. बालासुब्रमणि निदेशक (सीएसए और सीसीए), मैनेज ने डॉ. श्रीलक्ष्मी.सी, अकादमिक एसोसिएट (सीसीए), मैनेज के समन्वय के साथ इस कार्यक्रम का निर्देशन किया।

मैनेज में नववर्ष 2025 का जश्न

मैनेज परिवार ने एक मिलन समारोह में खुशी और उम्मीद के साथ नए साल 2025 का स्वागत किया। संकाय और कर्मचारियों ने नए साल की शुभकामनाओं का आदान-प्रदान करते हुए अपनी 2024 की उपलब्धियों और आने वाले वर्ष के लिए योजनाओं को साझा किया।

डॉ. सरवणन राज, महानिदेशक, मैनेज ने किसानों के कल्याण के लिए मैनेज कार्यक्रमों के साथ सहयोग करने वाले संकाय, कर्मचारियों, सलाहकारों, साझेदार संस्थानों और हितधारकों को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

अपने नए साल के संदेश में उन्होंने संगठन में प्रभावी योगदान के लिए निजी जीवन और पेशेवर जीवन को प्राथमिकता देने की अपील की। उन्होंने संगठन के विकास में समय लगाने और सभी स्थितियों में प्रबंधन की विरासत को जारी रखने पर जोर दिया।

इसके अलावा, उन्होंने कहा कि लगातार बदलते वैश्विक कृषि कल्याण में योगदान देने के लिए पुनः ध्यान केंद्रित करने, पुनः आविष्कार करने, नई साझेदारियां बनाने और नवीन दृष्टिकोणों की खोज करने की आवश्यकता है। इस समारोह में संकाय, कर्मचारी, सलाहकार उपस्थित थे।

डॉ. सुरेश बाबू, आईएफपीआरआई, का मैनेज दौरा

डॉ. सुरेश बाबू, आर्थिक शोधकर्ता, आईएफपीआरआई ने भविष्य में सहयोग के अवसरों का पता लगाने के लिए मैनेज संकाय सदस्यों के साथ संक्षिप्त बातचीत की।

राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) और राष्ट्रीय अनुकूलन योजना (एनएपी) को समर्थन देने के लिए स्थानीयकृत और संदर्भ-विशिष्ट जलवायु-स्मार्ट कृषि पद्धतियों को विकसित करने के लिए कृषि विस्तार की आवश्यकता पर चर्चा की गई।

इस लक्ष्य को प्राप्त करने में संस्थागत क्षमता और मानव कौशल को मजबूत करना एक महत्वपूर्ण कारक बताया गया।

मैनेज शनिवार वेबिनार

The webinars organized by Dr. Saravanan Raj, Director (Agricultural Extension), MANAGE, with the support of Dr. Rahalya S, MANAGE Fellow.

FoodTech Startups

MANAGE conducted a webinar on ‘FoodTech Startups’ on January 04, 2025, featuring Dr. Shital Somani Kasat, Co-Founder & Chief Growth Officer, S4S Technologies; Dr. Sharmilee Pratap Mane, Founder & CEO, PureMe Organics Private Limited; and Ms. Parul Soni, Chief Business Officer, ClearMeat, as key speakers.

The webinar highlighted the role of women entrepreneurs in transforming FoodTech startups through innovative solutions in sustainable food systems, waste management, nutrition innovation, and value-added products. **To watch the webinar, click on this link or scan the QR code: https://surl.li/lordoy**

Farm Mechanization and Innovations

MANAGE conducted a webinar on 'Farm Mechanization and Innovations’ on January 11, 2025, featuring Ms. Monali Mathur, Founder, Rentit4me, and Dr. Dola Sinha, Founder, Ankuran, as key speakers.

The webinar showcased how women entrepreneurs are revolutionizing Farm Mechanization startups through innovations in sustainable agricultural practices, precision farming, resource optimization, and advanced machinery.

To watch the webinar, click on this link or scan the QR code: https://surl.li/rlsrlo

Success Stories of Women Startups

MANAGE conducted a webinar on ‘Success Stories of Women Startups’ on January 18, 2025, featuring Ms. Sai Sudha, CEO and Co-Founder, Bilvam Jaganmaata Herbals Pvt Ltd, and Ms. Archana Patel, Managing Director, Krishitek Industries Pvt Ltd, as key speakers. The webinar highlighted the transformative role of women-led startups in agriculture, showcasing their contributions to precision farming, soil health, value chain management, and sustainable practices. These entrepreneurs are not only enhancing farm productivity and financial inclusion but also empowering rural communities. By leveraging technology and breaking barriers, they are reshaping the agri-startup ecosystem and driving meaningful change. **To watch the webinar, click on this link or scan the QR code: https://shorturl.at/6dR85**

Ideation

MANAGE conducted a webinar on ‘Ideation’ on January 25, 2025, featuring Dr. Latika Dhuria, Assistant Vice President, Atal Incubation Centre, Banasthali Vidyapith, and Ms. Neha, Fellow Urban Innovation, WE Hub, Govt. of Telangana, as key speakers. The webinar highlighted the pivotal role of women mentors in the agri-startup ecosystem, showcasing how they guide entrepreneurs in ideation, precision farming, sustainability, and value chain management. These mentors empower startups to transform ideas into impactful solutions, tackle rural challenges, enhance productivity, and promote financial inclusion. **To watch the webinar, click on this link or scan the QR code: https://surl.li/bsaejb**

डॉ. के. साई महेश्वरी को उनकी सेवानिवृत्ति पर सम्मानित किया गया

डॉ. के. साई माहेश्वरी, सहायक निदेशक, मैनेज दिनांक 31 जनवरी, 2025 को सेवानिवृत्त हुई। इस अवसर पर, डॉ. सागर हनुमान सिंह, आईपीओएस, महानिदेशक, मैनेज ने उन्हें 26 वर्ष की समर्पित सेवा पूरी होने पर सम्मानित किया।

मैनेज परिवार उनके योगदान के लिए अपनी हार्दिक सराहना व्यक्त करता है और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता है।

संपादकीय टीम

मैनेज बुलेटिन प्रकाशित किया जाता है

डॉ. सागर हनुमान सिंह, आईपीओएस,
महानिदेशक, मैनेज

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)
(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)
राजेंद्रनगर, हैदराबाद -500030, भारत

वेबसाइट: **www.manage.gov.in**

मुख्य संपादक
डॉ. सरवणन राज
निदेशक (कृषि विस्तार), मैनेज

संपादक
डॉ. श्रीनिवासचार्युलु अत्तलूरी
उप-निदेशक (ज्ञान प्रबंधन), मैनेज

हिन्दी अनुवाद
डॉ. के. श्रीवल्ली, सहा.निदेशक (रा.भा.), मैनेज
सुश्री पुजा दास, वरिष्ठ अनुवादक, मैनेज

एसोसिएट एडिटर्स
श्री कृष्णा रामाराव,
आउटरीच विशेषज्ञ, मैनेज